| Title of course- हिंदी साहित्य के समकालीन विमर्श एवं सृजनात्मक लेखन (महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन) | |
|---|---|
| Nodal Department of HEI to run course | |
| Broad Area/Sector- | मीडिया |
| Sub Sector- | सृजनात्मक लेखन एवं मीडिया |
| Nature of course - Independent / Progressive | Independent |
| Name of suggestive Sector Skill Council | मीडिया |
| Aliened NSQF level | Level 3 |
| Expected fees of the course –Free/Paid | |
| Stipend to student expected from industry | |
| Number of Seats-………… | |
| Course Code-………….. | Credits- 03 (1 Theory, 2 Practical) |
| Max Marks…100…… Minimum Marks……… | |
| Name of proposed skill Partner (Please specify, Name of industry, company etc for Practical /training/ internship/OJT | मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थान |
| Job prospects-Expected Fields of Occupation where student will be able to get job after completing this course in (Please specify name/type of industry, company etc.) | ▪ पत्र-पत्रिकाएं (संपादन एवं लेखन)<br>▪ प्रकाशन संस्थानों में रोजगार के अवसर<br>▪ रेडियो, दूरदर्शन, टेलिविज़न जैसे जनसंचार माध्यम हेतु इस क्षेत्र में सृजनात्मक लेखन<br>▪ कॉर्पोरेट एवं उद्यम जगत में विज्ञापन एवं अन्य सामग्री के लेखन में महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन की रोजगार की दृष्टि से उपयोगिता<br>▪ फिल्म एवं वेब सीरीज हेतु लेखन<br>▪ पटकथा लेखक<br>▪ वार्ताकार<br>▪ प्रकाशन (उद्यम के रूप में) |

**Syllabus**

| unit | Topics | General/ Skill component | Theory/ Practical/ OJT/ Internship/ Training | No of theory hours (Total-15 Hours= 1credits ) | No of skill Hours (Total-60 Hours=2 credits |
|---|---|---|---|---|---|
| I | हिंदी साहित्य के समकालीन विमर्श एवं सृजनात्मक लेखन : परिचय | ▪ हिंदी साहित्य के समकालीन विमर्श : संक्षिप्त परिचय<br>▪ महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन का अर्थ एवं महत्व<br>▪ हिंदी साहित्य में महिला लेखन : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि<br>▪ पुरुष रचनाकारों द्वारा महिलाओं के लिए सृजनात्मक | हिंदी साहित्य की प्रमुख महिला रचनाकार एवं महिला लेखन से जुड़े प्रमुख पुरुष रचनाकारों की रचनाओं का अध्ययन।<br>▪ उनकी दो-दो रचनाओं की समीक्षा। | **04** | **10** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | लेखन<br>▪ महिला रचनाकारों द्वारा महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन | ▪ महिलाओं के संबंध में महिलाओं द्वारा लेखन का महत्व तथा किन्हीं दो रचनाओं की समीक्षा।<br>▪ पुरुष और महिला लेखन में अभिव्यक्ति के स्तर पर अंतर, अंतर के प्रमुख कारण तथा महिला लेखन से जुड़ी चुनौतियों को जानने का संवेनदशील प्रयास करेंगे । | | |
| **II** | महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन प्रमुख विषय एवं रचनाकार का व्यक्तित्व | प्रमुख विषय<br>▪ घरेलू महिलाए: उनकी उपलब्धियाँ एवं समस्याएं<br>▪ कामकाजी : महिलाएं उनकी उपलब्धियाँ एवं समस्याएं<br>▪ कॉर्पोरेट एवं उद्योग जगत में महिलाएं<br>▪ ग्रामीण महिलाएं एवं आर्थिक संरचना में उनका योगदान<br>▪ मजदूर महिलाए- कार्य एवं मजदूरी में लिंग आधारित भेदभाव<br>▪ राजनीति और महिलाएं<br>▪ व्यक्ति के रूप में महिलाएं<br>▪ महिलाएं : असुरक्षा एवं अपराध<br>▪ महिलाएं एवं स्वास्थ्य<br>▪ महिलाएं एवं संवैधानिक प्रावधान<br>महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन : रचनाकार का व्यक्तित्व<br>▪ पितृसत्तामक मानसिकता से मुक्ति<br>▪ संवेदनशील एवं मानवीय दृष्टिकोण<br>▪ अवसरों की समानता : व्यवहारिक धरातल पर | ▪ विभिन्न विषयों से संबंधित उच्चकोटि के साहित्य का अध्ययन एवं परिचर्चा।<br>▪ रचनात्मक लेखन से संबंधित कार्यशाला का आयोजन।<br>▪ अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन ताकि विद्यार्थी पूर्वग्रह से मुक्त होकर, स्वस्थ मानसिकता एवं प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ महिलाओं से संबंधित विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर सकें।<br>▪ विद्यार्थी अपनी पसंद के प्रमुख विषयों पर रचनाएं लिखने का प्रयास करेंगे। | 04 | **16** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | स्वीकृति<br>▪ वैचारिक प्रगतिशीलता एवं जागरूकता<br>▪ गंभीरता<br>▪ संवैधानिक स्थिति का ज्ञान | | | |
| **III** | महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन : रचना प्रक्रिया | महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन : रचना प्रक्रिया<br>▪ विधा का चयन<br>▪ विषय का चयन<br>▪ रचना का उद्देश्य<br>▪ प्रकाशन का स्वरूप<br>▪ सृजन एवं प्रस्तुति | ▪ विभिन्न रचनाकारों के साथ संवाद एवं रचनाकारों के व्याख्यान का आयोजन।<br>▪ सामूहिक कार्य -महिलाओं से संबंधित किसी पत्र अथवा पत्रिका की रचना।<br>▪ विधा केंद्रित पत्रिका की रचना।<br>▪ अपनी रुचि की विधा में सृजनात्मक लेखन<br><br>अपनी विधा के किसी प्रमुख रचनाकार ,प्रकाशन संस्थान , संपादक अथवा जनसंचार माध्यम में इंटर्नशिप अथवा प्रशिक्षण<br>पाठ्यक्रम का उद्देश्य - हिंदी साहित्य के समकालीन विमर्शों में महिला विमर्श एक प्रमुख विमर्श है। हिंदी साहित्य में महिला रचनाकारों ने आरंभ से लेकर आज तक कभी गुमनाम रहकर तो कभी अथक संघर्ष के माध्यम से साहित्य की दुनिया में एक निश्चित मुकाम प्राप्त किया है। महिलाओं के लिए सृजनात्मक लेखन में पुरुषों की भी प्रभावी भूमिका हो सकती है और रही है। संपूर्ण विश्व में लिंग आधारित विभेद को मिटाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है और इस आवश्यकता की पूर्ति में साहित्य बहुत बड़ी भूमिका | **07** | **34** |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | निभाता है। विद्यार्थियों में इस पाठ्यक्रम के द्वारा लैंगिक समानता तथा लैंगिक संवेदनशीलता का विकास होगा। इस पाठ्यक्रम के द्वारा लेखन, संपादन, प्रकाशन से जुड़ी अनेक संभावनाएं हैं। | | |
| **IV** | | | | | |
| **V** | | | | | |
| **VI** | | | | | |

Suggested Readings:


1. स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ,2011
2. औरत के लिए औरत, नासिरा शर्मा सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ,2007
3. औरत अपने लिए, लता शर्मा, सामयिक प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2006
4. भारतीय नारी कल, आज और कल, सरोज कुमार, गुप्ता प्रकाशन संस्थान ,2007
5. स्त्री अस्मिता के प्रश्न, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली ,2008
6. खुली खिदकियां ,मैत्रेयी पुष्पा, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ,2006
7. स्त्रियों की पराधीनता, जॉन स्टूअर्ट मिल ,अनुवाद-प्रगति सक्सेना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 2009,
8. कहती हैं औरतें, अनामिका, इतिहास बोध प्रकाशन ,इलाहाबाद ,2007
9. स्त्री उपेक्षिता, प्रभा खेतान , सीमोन द बोउवार ,हिंद पॉकेट बुक्स ,नई दिल्ली ,2002
10. आज के प्रश्न: स्त्री, परंपरा और आधुनिकता, संपादक- राजकशोर, वाणी प्रकाशन ,2010
11. मन माँझने की जरूरत, अनामिका, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ,2008
12. जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
13. भाषा और संवेदना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981 . भाषा और संवेदना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
14. नया साहित्य कुछ पहलू, विष्णुस्वरूप, उत्कर्ष प्रकाशन, हैदराबाद, 1965
15. जनसंचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली, 2010


Suggested Digital platforms/ web links for reading-

Suggested OJT/ Internship/ Training/ Skill partner

Suggested Continuous Evaluation Methods: Test/ Quiz/ Skill test etc. (प्रस्तुति)

Course Pre-requisites:

- No pre-requisite required, open to all
- To study this course, a student must have the subject …**हिंदी** …….. in class/12th/ certificate/diploma तथा जिनकी सृजनात्मक लेखन में रुचि हो, जैसे कविता लेखन, कहानी लेखन, निबंध लेखन, डायरी अथवा संस्मरण लेखन इत्यादि
- If progressive, to study this course a student must have passed previous courses of this series.

Suggested equivalent online courses:

| Any remarks/ suggestions: |
| --- |
| Notes:<br>• Number of units in Theory/Practical may vary as per need<br>• Total credits/semester-3 (it can be more credits, but students will get only 3credit/ semester or 6credits/ year<br>• Credits for Theory =01 (Teaching Hours = 15)<br>• Credits for Internship/OJT/Training/Practical = 02 (Training Hours = 60) |